गोबरधन योजना या जैविक जैव-कृषि संसाधन धन को बढ़ावा देना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के संबंध में भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है। गोबरधन योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में मौजूद मवेशियों के गोबर और अन्य जैविक पदार्थों का प्रसंस्करण कर उन्हें बायो-गैस, खाद, बायो-स्लरी और बायो-सीएनजी जैसे उपयोगी संसाधनों में बदलना है। यह नीति न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और सफाई का समर्थन करती है, बल्कि कचरे के रूपांतरण के माध्यम से धन और ऊर्जा उत्पादन से लाभ भी कमाती है, जिससे ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।